सामान्य हिन्दी

विभिन्न परीक्षाओं के लिए जैसे - RPSC, RSEB, BPSC, UKPSC, UPPSC, UPSC आदि अन्य राज्य-स्तरीय इंजीनियरिंग सेवा परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी

HIGHLIGHTS

- सम्पूर्ण व्याकरण (सरल भाषा शैली में)
- यह पुस्तक सभी राज्यों की इंजीनियरिंग सेवा परीक्षाओं को कवर करती है
- प्रतियोगी परीक्षाओं के नवीनतम पैटर्न के प्रश्नों का समावेश
- समस्त प्रश्नों की उत्तर सहित व्याख्या के साथ

EA-Publications®
ENGINEERS ACADEMY PUBLICATIONS
www.eapublications.org
+ 91-80944 41777

Published by EA-Publications®
ENGINEERS ACADEMY PUBLICATIONS

Corporate Office: # 100-102, Ram Nagar, Bambala Puliya, Toll Tax,
Tonk Road, Pratap Nagar, Jaipur (Rajasthan)-302033
E-Mail : engineers.academy.india@gmail.com
Website : www.engineersacademy.org
Helpline Number : +91 8094441777

All Rights Reserved :
This book or part there of cannot be translated or reproduced in any form (except for review or criticism) without the written permission from the Publishers.

ISBN : 978-93-93531-58-2

First Edition	:	**2020**
Second Edition	:	**2021**
Third Edition	:	**2022**
Fourth Edition	:	**2025**
Fifth Edition	:	**2026**

Without prior written permission of publisher and author, no person/publisher/institute should use full part of the text/design/question/material of the book. If any body/publisher/institute is found in default legal action will be taken accordingly.

Price : ₹ 580.00

Although every effort has been made to avoid mistakes and omissions, there may be possibility some mistakes been left inadvertently. This book is released with the understanding that neither author nor publisher will be responsible in any manner for mistakes/permissions in the book. Dispute, if any, shall be subject to Jaipur (Rajasthan) Jurisdiction only.

Visit **www.eapublications.com** for buying books online.

CONTENTS

S.No.	TOPIC	Page No.
1.	संधि	01 – 26
2.	समास	27–44
3.	उपसर्ग	45–56
4.	प्रत्यय	57–70
5.	पर्यायवाची शब्द	71 – 83
6.	विलोम शब्द	84 – 99
7.1.	शब्द–युग्म (Theory)	100–105
7.2.	शब्द–युग्म (Questions)	106–120
8.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	121–136
9	शब्द शुद्धि	137–156
10.	वाक्य शुद्धि	157 – 172
11	मुहावरे	173–189
12.	लोकोक्तियाँ	190–209
13.	पारिभाषिक शब्दावली	210–225

1 सन्धि

परिभाषा – दो वर्णों के मेल से उत्पन्न ध्वनि विकार को सन्धि कहते हैंअर्थात्दो शब्दो की सन्धि करते समय प्रथम शब्द का अन्तिम वर्ण तथा दूसरे शब्द का प्रथम वर्ण मिलकर ध्वनि परिवर्तन करते हैं, इसे ही सन्धि कहते हैं।

सन्धि तीन प्रकार की होती हैं।

ध्यान रखने योग्य बिन्दु–

1. **बलाघात :-**

(i) **स्वर बलाघात** – सन्धि के बिना नियम स्वर अपने आप ही दीर्घ हो जाते हैं।

जैसे –विश्व + मित्र – विश्वामित्र
मूसल + धार – मूसलाधार
अभि + सार – अभीसार
प्रति + घात – प्रतीघात

(ii) **व्यञ्जन बलाघात** – सन्धि के बिना नियम एक व्यञ्जन का अपने आप ही आगमन होना।

जैसे – बच् + आ – बच्चा
ढक् + अन – ढक्कन

2. **प्लुत् :-**

(i) **स्वर प्लुत** – सन्धि के बिना नियम स्वर अपने आप ही लघु हो जाते हैं।

जैसे – कूद + अक्कड़ – कुदक्कड़
लोटा + इया – लुटिया

(ii) व्यञ्जन प्लुत + सन्धि के बिना नियम ही व्यञ्जन लुप्त हो जाता हैं।

जैसे – बच्चा + पन – बचपन
कुत्ता + इया – कुतिया

3. **संयोग** – दो सार्थक शब्दों को ज्यों का त्यों लिखना ही संयोग कहलाता हैं।

जैसे – मुक्ता + हार – मुक्ताहार
कु + शासन – कुशासन
(सही सन्धि – कुश + आसन)
प्रति + घात – प्रतिघात
अभि + सार – अभिसार

4. **अपवाद** – दो वर्णो का मेल होता हैं, ध्वनि में परिवर्तन भी होता हैं किन्तु सन्धि का कोई भी नियम लागू नहीं होता, अपवाद कहलाते हैं।

प्र + ऊढ = प्रौढ
अक्ष + ऊहिनी = अक्षौहिणी
स्व + ईर = स्वैर
प्र + ऊह = प्रौह

स्वर सन्धि

किसी शब्द का विच्छेद करते समय प्रथम शब्द का अन्तिम वर्ण स्वर हो तथा मिलने वाला वर्ण भी स्वर हो तो वहाँ स्वर सन्धि होती हैं।

5 प्रकार :-

(1) दीर्घ स्वर सन्धि
(2) गुण स्वर सन्धि
(3) वृद्धिस्वर सन्धि
(4) यण स्वर सन्धि
(5) अयादि स्वर सन्धि

1. **दीर्घ स्वर सन्धि** – यह समान स्वर सन्धि हैं इसमें दो समान स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।

अ + अ = आ
आ + आ = आ
इ + इ = ई
ई + ई = ई
उ + उ = ऊ
ऊ + ऊ = ऊ

जैसे – कवितावली = कवित + अवली / कविता + अवली
नीलाम्बर = नील + अम्बर / नीला + अम्बर
मुक्तावली = मुक्ता + अवली (माला, पंक्ति)
मुक्ताकाश = मुक्त + आकाश
कारागार = कारा (जेल) + आगार (घर
कृपाचार्य = कृप + आचार्य
सेवार्ह = सेवा + अर्ह (योग्य)
तन्द्रालस = तन्द्रा + अलस (आलस)
वीरांगना = वीर + अंगना (स्त्री)
द्राक्षासव = द्राक्षा + आसव (रस)
शंकास्पद = शंका + आस्पद (पात्र)

ENGINEERS ACADEMY

प्राप्तीच्छा = प्राप्ति + इच्छा

मुनीन्द्र = मुनि + इंद्र

हरीच्छा = हरि + इच्छा

कपीश = कपि + ईश

अधीक्षक = अधि + ईक्षक

योगीश्वर = योगिन् + ईश्वर (न् का लोप)

वीक्षक = वि + ईक्षक

यतीन्द्र = यती + इन्द्र

नदीश्वर = नदी + ईश्वर

श्रीश (विष्णु = श्री + ईश

फणीश्वर = फणी + ईश्वर

अनूदित = अनु + उदित

कटूक्ति = कटु + उक्ति

बहूद्देशीय = बहु + उद्देशीय

मधूत्सव = मधु + उत्सव

मृत्युपरांत = मृत्यु + उपरांत

लघूत्तम = लघु + उत्तम

विधूदय = विधु + उदय

सूक्ति = सु + उक्ति

सिंधूर्मि = सिंधु + ऊर्मि

चमूत्साह = चमू + उत्साह

भूपरि = भू + उपरि

वधूक्ति = वधू + उक्ति

वधूल्लास = वधू + उल्लास

सरयूर्मि = सरयू + ऊर्मि

भूर्ध्व = भू + ऊर्ध्व

2. गुण स्वर सन्धि – यह असमान स्वर संधि हैं। इसमें गुण स्वर 'ए', 'ओ', 'अर्' बनते हैं।

अ + इ = ए (े)
आ + ई = ए (े)
अ + उ= ओ (ो)
आ + ऊ = ओ (ो)
अ + ऋ = अर्
आ + ऋ = अर्

जैसे – राकेश = राका + ईश

रमेश = रमा + ईश

गुड़ाकेश = गुड़ाका (नींद) + ईश

दामोदर = दाम + उदर

प्रोज्जवल = प्र + उज्जवल

प्रेत = प्र + इत

प्रेक्षक = प्र + ईक्षक

अलकेश = अलका + ईश

रमेश = रमा + ईश

गणेश = गण + ईश

नेति = न + इति

प्रेषिति = प्र + इषिति

अपेक्षा = अप + ईक्षा

प्रेरक = प्र + ईरक

प्रेरणा = प्र + ईरणा

प्रेषक = प्र + इषक

जलोर्मि = जल + ऊर्मि

नवोढ़ा = नव + ऊढ़ा

सोष्म = स + ऊष्म

नवोपल = नव + उपल

सोदाहरण = स + उदाहरण

अद्योपान्त = आद्य + उपान्त

परोपकार = पर + उपकार

अन्त्योदय = अन्त्य + उदय

कण्वर्षि = कण्व + ऋषि

महर्षि = महा + ऋषि

सत्यर्त = सत्य + ऋत

शिशिरर्तु = शिशिर + ऋतु

वर्षा + ऋतु = वर्षर्तु

महा + ऋण = महर्ण

हितेच्छा = हित + इच्छा

वाचेतर = वाच + इतर

मृगेंद्र = मृग + इन्द्र

इतरेतर = इतर + इतर

अंत्येष्टि = अंत्य + इष्टि

ध्राणेंद्रिय = ध्राण + इन्द्रिय

शुभेच्छु = शुभ + इच्छा

ममतेर = मम + इतर

सुधेंदु = सुधा + इंदु

महेश्वर = महा + ईश्वर

यथेष्ट = यथा + इष्ट

ENGINEERS ACADEMY

रसनेंद्रिय = रसना + इंद्रिय
हषीकेष = हषीक + ईश
स्वैरिणी = स्व + ईरिणी
उपेक्षा = उप + ईक्षा
अंकेक्षण = अंक + ईक्षण
परमेश्वर = परम + ईश्वर
सिद्धेश्वरी = सिंध + ईश्वरी
हिमोपल = हिम + उपल
यथोचित = यथा + उचित
करुणोत्पादक = करूणा + उत्पादक
क्षुधोत्तेजन = क्षुधा + उत्तेजन
स्वातंत्र्योत्तर = स्वातंत्र्य + उत्तर
आत्मोत्सर्ग = आत्म + उत्सर्ग
कथोपकथन = कथ + उपकथन
भावोद्दीप्त = भाव + उद्दीप्त
रसोद्रेक = रस + उद्रेक
वैरोद्धार = वैर + उद्धार
सर्वोपरि = सर्व + उपरि
सवोपार्जित = सर्व + उपरि
नीलोत्पल = नील + उत्पल
नवोदित = नव + उदित
मासोत्तम = मास + उत्तम
लोकोक्ति = लोक + उक्ति
शाकोपजीवी = शाक + उपजीवी
सांगोपांग = सांग + उपांग
वेदोक्त = वेद + उक्त
भयोत्पादक = भय + उत्पादक
मदोन्माद = मद + उन्माद
सोत्साह = स + उत्साह
देवर्षि = देव + ऋषि
सप्तर्षि = सप्त + ऋषि
ग्रीष्मर्तु = ग्रीष्म + ऋतु
ब्रह्मर्षि = ब्रह्म + ऋषि
शीतर्तु = शीत + ऋतु
गंगोर्मि = गंगा + ऊर्मि
महोर्जा = महा + ऊर्जा
जलोर्मि = जल + ऊर्मि

3. वृद्धि स्वर सन्धि :-

यह असमान स्वर संधि हैं।

इसमें वृद्धि स्वर 'ऐ', 'औ' बनते हैं।

अ/आ + ए/ऐ = ऐ (ै)
अ/आ + ओ/औ = औ (ौ)

जैसे –हितैषी = हित + एषी
जलौघ = जल + ओघ
वसुधैव = वसुधा + एव
मतैक्य = मत + ऐक्य
स्वरैक्य = स्वर + ऐक्य
सदैव = सदा + एव
एकैक = एक + एक
मांसौदन = मांस + ओदन
तथैव = तथा + एव
दारैषणा = दारा + एषणा
प्रश्नौत्सुक्य = प्रश्न + औत्सुक्य
शुभैषी = शुभ + एषी
पुत्तैषणा = पुत्र + एषणा
वित्तैषणा = वित्त + एषणा
लोकैषणा = लोक + एषणा
धनैषणा = धन + एषणा
प्रियैषी = प्रिय + एषी
धनैषी = धन + एषी
महैश्वर्य = महा + ऐश्वर्य
विचारैक्य = विचार + ऐक्य
स्वैच्छिक = स्व + ऐच्छिक
विश्वैक्य = विश्व + ऐक्य
वनौकस = वन + ओकस
बिंबोष्ठ = बिंब + ओष्ठ (अपवाद)
जलौक = जल + ओक
महौज = महा + ओज
महौषधि = महा + औषधि
परमौषध = परम + औषध
परमौदार्य = परम + औदार्य
परमौजस्वी = परम + ओजस्वी
जलौषधि =जल + औषधि
प्रौद्योगिकी = प्र +औद्योगिकी
वनौषधि = वन + औषधि
महौदारिक = महा + औदारिक

ENGINEERS ACADEMY

मनु + अ = मानव

वसुदेव + अ = वासुदेव

ईश्वर + य = ऐश्वर्य

रघु + अ = राघव

उपचार + इक = औपचारिक

व्यवहार + इक = व्यावहारिक

एक + य = ऐक्य

दशरथ + इ = दाशरथि

स्वस्थ + य = स्वास्थ्य

कुंती + एय = कौंतेय

सुंदर + य = सौंदर्य

प्र + ऊह = प्रौह

स्व + ईरणा = स्वैरणा

सार + अंग = सारंग

शुद्ध + ओदन = शुद्धोदन

मार्त + अंड = मार्तंड

दंपती + य = दांपत्य

प्रति + घात = प्रतीघात

प्रति + कार = प्रतीकार

दिवा + रात्रि = दिवारात्रि

अहन् + निशा = अहर्निश

मनस् + ईषा = मनीषा

नव + रात्रि = नवरात्र

सीम + अंत = सीमंत

दश + ऋण = दशार्ण

दन्त + ओष्ठ = दन्तोष्ठ/दन्तौष्ठ

शक + अन्धु = शकन्धु

व्यञ्जन सन्धि

परिभाषा – किसी शब्द का विच्छेद करते समय या संधि करते समय स्वर से व्यञ्जन का मेल हो तथा व्यञ्जन से स्वर का मेल हो और परिवर्तन केवल व्यञ्जन में ही हों, वहाँ व्यञ्जन संधि होती हैं।

ध्यान रखने योग्य –

1. स्पर्श व्यञ्जन – क् से म् तक

ङ् ण् न् म् = अनुनासिक

च् छ् ज् झ् = स्पर्श संघर्षी

2. अन्तस्थ – य् र् ल् व्

3. उष्म – श् ष् स् ह्

घोष / सघोष – प्रत्येक वर्ग का 3, 4, 5 वर्ण/ सभी स्वर या य् व् र् ल् ह्

अघोष – प्रत्येक वर्ग 1, 2 वर्ण / श् ष् स्

नियम 1 :-

क्	च्	ट्	त्	प्	+	घोष वर्ण (3, 4 वर्ण / सभी स्वर / य, र, ल, व, ह)
↓	↓	↓	↓	↓		
ग्	ज्	ड्	द्	ब्		

जैसे –वागीश = वाक् + ईश

ऋग्वेद = ऋक् + वेद

अब्द (बादल) = अप् + द

अब्ध (समुद्र) = अप् + ध

अब्ज (कमल) = अप् + ज

दिग्विजय = दिक् + विजय

प्रागैतिहासिक = प्राक् + ऐतिहासिक

पंजाब = पंच् + आब

तद्रूप = तत् + रूप

चिद्रूप = चित् + रूप

षडरस = षट् + रस

नियम 2 :-

क्	च्	ट्	त्	प्	+	पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म)
↓	↓	↓	↓	↓		
ङ्	ञ्	ण्	न्	म्		

जैसे –षण्मास = षट् + मास

उन्नयन = उत् + नयन

उन्माद = उत् + माद

वाङ्मय = वाक् + मय

षाण्मासिक = षट् + मासिक

विद्युन्माला = विद्युत + माला

दिङ्महिमा = दिक् + महिमा

सन्मति = सत् + मति

दिङ्नाग = दिक् + नाग

नियम 3 :-

ं / म् + स्पर्श व्यंजन (क् से म् तक)	=	पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म)

'म्' के बाद मिलने वाला वर्ण स्पर्श व्यञ्जन हो तो 'म्' के स्थान पर मिलने वाले वर्ण का 5 वाँ वर्ण हो जाता हैं।

(i) ं /म् + क, ख, ग, घ = ङ.

ENGINEERS ACADEMY

युधि +स्थिर = युधिष्ठिर

प्रतिष्ठान = प्रति + स्थान

अधिष्ठाता = अधि + स्थाता

सुष्ठु = सु + स्थु

निषेक = नि + सेक

नियम 9 :-

किसी शब्द का विच्छेद करते समय प्रथम शब्द में कहीं भी 'ऋ, र, ष' आए तथा दूसरे शब्द में कही भी 'न' आए तो 'न' के स्थान पर 'ण' हो जाता हैं।

ऋ, र, ष + ... न .... ण

जैसे - नारायण = नार् + अयन

अपराहण = अपर् + अहन

ऋण = ऋ + न

रामायण = राम + अयन

प्रणेता = प्र + नेता

विष्णु = विष् + नु

पूर्वाहण = पूर्व + अहन

परिणाम = परि + नाम

नियम 10 :-

ग्	ज्	ड्	द्	ब्		
↓	↓	↓	↓	↓	+	अघोष वर्ण (1, 2 वर्ण / श्, ष्, स्)
क्	च्	ट्	त्	प्		

जैसे - उत्तल = उद् + तल

उत्सव = उद् + सव

संसत्सदस्य = संसद + सदस्य

उत्कर्ष = उद् + कर्ष

नियम 11 :-

व्यञ्जन लोप संधि

जैसे - राजर्षि = राजन् + ऋषि / राजा + ऋषि

यात्रिगण = यात्रिन् + गण

युवराज = युवन् + राज

मंत्रिगण = मंत्रिन् + गण

नियम 12 :-

र् का लोप सन्धि

जैसे - नीरस = निर् + रस / निः + रस

नीराजन = निर् + राजन / निः + राजन

दूराज = दुर् + राज / दुः + राज

दूरम्य = दुर् + रम्य / दुः + रम्य

नीरोग = निर् + रोग / निः + रन्ध्र

नीरव = निर् + रव / निः + रव

नियम 13 :-

अहन + र = अहो
अहन + र को छोड़कर अन्य वर्ण = अहर

जैसे - अहर्निश = अहन + निश

अहोरूप = अहन + रूप

अहरह = अहन् + अहन्

अहरूदय = अहन् + उदय

अहोराज = अहन + राज

अहर्मुख = अहन् + मुख

परि तथा सम् उपसर्ग जुड़ने पर व्यञ्जन संधि के उदाहरण -

सम + कृत = संस्कृत

सम् + कार = संस्कार

सम् + स्मृति = संस्मृति

सम् + स्मरण = संस्मरण

सम् + कृति = संस्कृति

सम् + करण = संस्करण

परि + कृत = परिष्कृत

परि + कार = परिष्कार

परि + करण = परिष्करण

परि + कृति = परिष्कृति

ENGINEERS ACADEMY

विसर्ग सन्धि

परिभाषा - किसी शब्द का विच्छेद करते समय विसर्ग (:) के बाद स्वर, व्यञ्जन का मेल हो और परिवर्तन केवल विसर्ग (:) में ही हो वहाँ विसर्ग संधि होती हैं।

नियम 1 :-

अः + घोष वर्ग (3, 4, 5 वर्ण + य्, र्, ल्, व्, ह् / सभी स्वर) = ओ

जैसे - सरोज = सरः + ज

उरोज = उरः + ज

मनोबल = मनः + बल

रजोगुण = रजः + गुण

तपोभूमि = तपः + भूमि

यशोदा = यशः + दा

मनोज = मनः + ज

मनोहर = मनः + हर

सरोवर = सरः + वर

पयोधि = पयः + धि

तमोगुण = तमः + गुण

अधोमुख = अधः + मुख

तपोवन = तपः + वन

यशोधरा = यशः + धरा

नियम 2 :-

इः/ उः + क्, ख्, प्, क् = ष्

जैसे - दुः + कर = दुष्कर

आविः + कृत = आविष्कृत

निः + फल = निष्फल

परिः + कार = परिष्कार

दुः + फल = दुष्फल

आविः + कार = आविष्कार

दुः + प्रभाव = दुष्प्रभाव

निः + काम = निष्काम

नियम 3 :-

इः / ईः/ उः + घोष वर्ण = र्

जैसे -आशी : + वाद = आशीर्वाद

पुनः + गमन = पुनर्गमन

दुः + अवस्था = दुरवस्था

निः + नय = निर्णय

दुः + गति = दुर्गति

पुनः + जन्म = पुनर्जन्म

अन्तः + गत = अन्तर्गत

निः + आशा = निराशा

आयुः + वेद = आयुर्वेद

चतुः + भुज = चतुर्भुज

यजुः + वेद = यजुर्वेद

निः + धन = निर्धन

बहिः + आगत = बहिरागत

चतुः + आनन = चतुरानन

पुनः + अवलोकन = पुनरवलोकन

अन्तः + यामी = अंतर्यामी

स्वः + ग = स्वर्ग

प्रातः + भाग = प्रातर्भाग

नियम 4 :-

: + अघोषवर्ण (1, 2 वर्ण, श्, ष्, स्)
: + च् छ् श् – श्
: + ट् ठ् ष् – ष्
: + त् थ् स् – स्

जैसे -दुश्शासन = दुः + शासन

निश्चल = निः + चल

मनश्चिकित्सक = मनः + चिकित्सक

हरिश्चन्द्र = हरिः + चन्द्र

मनश्चेतना = मनः + चेतना

निश्चय = निः + चय

धनुष्टंकार = धनुः + टंकार

चतुष्टीका = चतुः + टीका

रामष्षष्ठ = रामः + षष्ठ

निस्तेज = निः + तेज

मनस्ताप = मनः + ताप

निस्संदेह = निः + संदेह

नमस्ते = नमः + ते

निस्संकोच = निः + संकोच

नियम 5 :-

अः /आः + क् ख् प् फ् = :

जैसे -मनः कामना = मनःकामना

रजः कण = रजःकण

पयः पान = पयःपान

प्रातः काल = प्रातःकाल

अधः + पतन = अधःपतन

यशः + कामना = यशःकामना

पुनः + पाठ = पुनःपाठ

अंतः + क्रिया = अंतःक्रिया

तपः + पूत = तपःपूत

नोट :-

अः / आः + क्, ख्, प्, फ् = स्

जैसे - नमः + कार = नमस्कार

तिरः + कार = तिरस्कार

ENGINEERS ACADEMY

श्रेयः + कर = श्रेयस्कर

पुरः + कृत = पुरस्कृत

भा : + कर = भास्कर

पुर : + कार = पुरस्कार

महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) महोदय (2) देवर्षि
(3) सदैव (4) निष्फल

(1) महा + उदय
(2) देव + ऋषि
(3) सदा + एव
(4) निः + फल

2. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) गीतांजलि (2) रवीन्द्र
(3) सूर्योदय (4) निष्काम

(1) गीत + अंजलि
(2) रवि + इन्द्र
(3) सूर्य + उदय
(4) निः + काम

3. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अभीप्सित (2) पूर्वान्ह
(3) पुनरीक्षण (4) तद्धित

(1) अभि + इप्सित
(2) पूर्व + अहन
(3) पुनः + ईक्षण
(4) तत् + हित

4. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) प्रतिघात (2) प्रत्यर्पण
(3) चतुष्कोण (4) उद्धार

(1) प्रति + आघात
(2) प्रति + अर्पण
(3) चतुः + कोण
(4) उत् + हार

5. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) मनस्ताप (2) नयन
(3) विश्वामित्र (4) उद्धरण

(1) मन + ताप
(2) ने + अन
(3) विश्व + अमित्र
(4) उत् + हरण

6. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) सच्छास्त्र (2) अभिषेक
(3) नीरोग (4) न्यून

(1) सत् + शास्त्र
(2) अभि + सेक
(3) निः + रोग
(4) निः + ऊन

7. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अत्यावश्यक (2) परोपकार
(3) भानूदय (4) सज्जन

(1) अति + आवश्यक
(2) पर + उपकार
(3) भानु + उदय
(4) सत् + जन

8. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) परमार्थ (2) उन्नयन
(3) यशोगान (4) प्राप्तोदक

(1) परम + अर्थ
(2) उत् + नयन
(3) यशः + गान
(4) प्राप्त + उदक

ENGINEERS ACADEMY

9. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उल्लास (2) पुरस्कार

(3) परिच्छेद (4) वाग्दान

(1) उत् + लास

(2) पुरः + कार

(3) परि + छेद

(4) वाक् + दान

10. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अन्वेषण (2) स्वागत

(3) पित्रादेश (4) पावक

(1) अनु + एषण

(2) सु + आगत

(3) पितृ + आदेश

(4) पौ + अक

11. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उद्घाटन (2) निष्पाप

(3) सदैव (4) अभ्युदय

(1) उत् + घाटन

(2) निः + पाप

(3) सदा + एव

(4) अभि + उदय

12. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वागीश (2) मुनींद्र

(3) नयन (4) मतैक्य

(1) वाक् + ईश

(2) मुनि + इंद्र

(3) ने + अन

(4) मत + ऐक्य

13. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) सच्चरित्र (2) मनोरथ

(3) विद्यार्थी (4) उज्ज्वल

(1) सत् + चरित्र

(2) मनः + रथ

(3) विद्या + अर्थी

(4) उत् + ज्वल

14. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) तन्वंगी (2) महोत्सव

(3) विपज्जाल (4) स्वागत

(1) तनु + अंगी

(2) महा + उत्सव

(3) विपद + जाल

(4) सु + आगत

15. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) संहार (2) यशोदा

(3) महाशय (4) उन्मुख

(1) सम् + हार

(2) यशः + दा

(3) महा + आशय

(4) उत् + मुख

16. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) सरोज (2) महेश्वर

(3) धनुष्टंकार (4) एकैक

(1) सरः + ज

(2) महा + ईश्वर

(3) धनु + टंकार

(4) एक + एक

17. निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) पुनउक्ति (2) निष्कासन

(3) सदाचार (4) देव्युपासना

(1) पुनः + उक्ति

(2) निस् + कासन

(3) सत् + आचार

(4) देवी + उपासना

ENGINEERS ACADEMY

(1) अभ्युत्थान (2) न्यून
(3) वाण्यूर्मि (4) प्रत्यूष
(1) अभि + उत्थान
(2) नि + ऊन
(3) वाणी + ऊर्मि
(4) प्रति +ऊष

28.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) अभ्युदय (2) अत्युक्ति
(3) अत्युत्तम (4) व्युत्पत्ति
(1) अभि + उदय
(2) अति + उक्ति
(3) अति + उत्तम
(4) वि + उत्पत्ति

29.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) महौषध (2) महौघ
(3) महौत्सुक्य (4) उपयुक्त
(1) महा + औषध
(2) महा+ ओघ
(3) महा + औत्सुक्य
(4) उपरि + उक्त

30.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) वनौषध (2) महौजस्वी
(3) महौषधि (4) महौदार्य
(1) वन + औषध
(2) महा+ ओजस्वी
(3) महा+ औषधि
(4) महा + औदार्य

31.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) परमौजस्वी (2) परमौषध
(3) परमौदार्य (4) वीरौदार्य
(1) परम + ओजस्वी
(2) परम + औषध
(3) परम + औदार्य
(4) वीर + औदार्य

32.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) अध्याय (2) प्रत्युत्तर
(3) प्रत्युपकार (4) दंतौष्ठ
(1) अधि + आय
(2) प्रति + उत्तर
(3) प्रति + उपकार
(4) दंत + ओष्ठ

33.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) अत्यावश्यक (2) प्रत्यारोपण
(3) अग्न्याशय (4) प्रत्याघात
(1) अति + आवश्यक
(2) प्रति + आरोपण
(3) अग्नि + आशय
(4) प्रति + आघात

34.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) अत्यानन्द (2) व्याप्त
(3) पर्यावरण (4) अभ्यागत
(1) अति + आनंद
(2) वि + आप्त
(3) परि + आवरण
(4) अभि + आगत

35.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) परमौज (2) जलौस
(3) जलौक (4) जलौघ
(1) परम + ओज
(2) जल + ओस
(3) जल + ओक
(4) जल + ओघ

36.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वनौषधि (2) उष्णौदन
(3) सुंदरौदन (4) घृतौदन
(1) वन + औषधि
(2) उष्ण + ओदन
(3) सुंदर + ओदन
(4) घृत + ओदन

37.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) प्रत्यर्पण (2) प्रत्यन्तर
(3) प्रत्यक्ष (4) इत्यादि
(1) प्रति + अर्पण
(2) प्रति + अन्तर
(3) प्रति + अक्ष
(4) इति + आदि

38.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) अत्यधिक (2) अत्यल्प
(3) अत्यन्त (4) रीत्यनुसार
(1) अति + अधिक
(2) अति + अल्प
(3) अति + अन्त
(4) रीति + अनुसार

39.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) यद्यपि (2) अभ्यर्थी
(3) अध्ययन (4) अत्यर्थ
(1) यदि + अपि
(2) अभि + अर्थी
(3) अधि + अयन
(4) अति + अर्थ

40.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) भवैक्य (2) देवैश्वर्य
(3) धर्मैक्य (4) विश्वैक्य
(1) भव + ऐक्य
(2) देव + ऐश्वर्य
(3) धर्म + ऐक्य
(4) विश्व + ऐक्य

41.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) लोकैषणा (2) वित्तैषणा
(3) अनैकान्त (4) मतैक्य
(1) लोक + एषणा
(2) वित्त + एषणा
(3) अन + एकान्त
(4) मत + ऐक्य

42.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) तत्रैव (2) एकैव
(3) एकैक (4) दिनैक
(1) तत्र + एव
(2) एक +एव
(3) एक + एक
(4) दिन + एक

43.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) मात्रुपदेश (2) गायक
(3) विधायक (4) विनायक
(1) मातृ + उपदेश
(2) गै + अक
(3) विधै + अक
(4) विनै + अक

44.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) मात्रंग (2) धात्रंश
(3) मात्रिच्छा (4) पित्रिच्छा
(1) मातृ + अंग
(2) धातृ + अंश
(3) मातृ + इच्छा
(4) पितृ+ इच्छा

45.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)
(1) पित्राज्ञा (2) मात्राज्ञा
(3) भ्रात्रेषणा (4) भ्रात्रोक

(1) पितृ + आज्ञा
(2) मातृ + आज्ञा
(3) भ्रातृ + एषणा
(4) भ्रातृ + ओक

46.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) मात्रनुदेश (2) मात्रानन्द
(3) पित्रादेश (4) मात्रादेश
(1) मातृ + अनुदेश
(2) मातृ + आनन्द
(3) पितृ + आदेश
(4) मातृ + आदेश

47.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वध्वंग (2) पित्रनुमति
(3) पित्रनुदेश (4) मात्रनुमति
(1) वधू + अंग
(2) पितृ + अनुमति
(3) पितृ + अनुदेश
(4) मातृ + अनुमति

48.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वध्वागमन (2) वध्विष्ट
(3) वध्वीर्ष्या (4) वध्वेषण
(1) वधू + आगमन
(2) वधू + इष्ट
(3) वधू + ईर्ष्या
(4) वधू + एषण

49.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) मध्वौषध (2) गुर्वौदार्य
(3) वध्वर्थ (4) वध्वादेश
(1) मधु + औषध
(2) गुरु + औदार्य
(3) वधू+अर्थ
(4) वधू + आदेश

50.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अन्वेषक (2) प्रभ्वेषणा
(3) मध्वोदन (4) लघ्वोष्ठ
(1) अनु + एषक
(2) प्रभु + एषणा
(3) मधु + ओदन
(4) लघु + ओष्ठ

51.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अन्विष्ट (2) धात्विक
(3) अन्वीक्षण (4) अन्वेषण
(1) अनु + इष्ट
(2) धातु + इक
(3) अनु+ ईक्षण
(4) अनु + एषण

52.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) लघ्वादि (2) अन्वित
(3) अन्विति
(1) लघु + आदि
(2) अनु + इत
(3) अनु + इति

53.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) स्वागत (2) मध्वालय
(3) अन्वादेश (4) साध्वाचार
(1) सु + आगत
(2) मधु + आलय
(3) अनु + आदेश
(4) साधु + आचार

54.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) स्वल्प (2) स्वच्छ
(3) मध्वरि (4) ऋत्वन्त
(1) सु + अल्प

ENGINEERS ACADEMY

(2) सु + अच्छ

(3) मधु + अरि

(4) ऋतु + अन्त

55.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) मन्वन्तर (2) अन्वय

(3) अन्वर्थ (4) अन्वेषण

(1) मनु + अन्तर

(2) अनु+अय

(3) अनु + अर्थ

(4) अनु + एषण

56.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) देव्यौदार्य (2) अत्यैश्वर्य

(3) ऐश्वर्य (4) देव्यंग

(1) देवी + औदार्य

(2) अति + ऐश्वर्य

(3) ईश्वर + य = ऐश्वर्य

(4) देवी + अंग

57.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) दध्योदन (2) देव्योज

(3) अत्यौदार्य (4) अत्यौचित्य

(1) दधि + ओदन

(2) देवी + ओज

(3) अति + औदार्य

(4) अति + औचित्य

58.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) नार्युक्त (2) सख्युवाच

(3) नद्यूर्मि (4) अत्योज

(1) नारी + उक्त

(2) सखी + उवाच

(3) नदी + उर्मि

(4) अति + ओज

59.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) सख्युचित (2) देव्युक्ति

(3)स्त्र्युचित (4) स्त्रीयुपयोगी

(1) सखी + उचित

(2) देवी + उक्ति

(3) स्त्री + उचित

(4) स्त्री + उपयोगी

60.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) नद्यामुख (2) देव्यालय

(3) सख्यागमन (4) सरस्वत्याराधना

(1) नंदी + आमुख

(2) देवी + आलय

(3) सखी + आगमन

(4) सरस्वती + आराधना

61.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अत्यंत (2) देव्यागम

(3) देव्यागमन (4) नद्यागम

(1) अति + अंत

(2) देवी + आगम

(3) देवी + आगमन

(4) नदी + आगम

62.निम्नलिखितशब्दों का संधिविच्छेदकीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अध्येता (2) नद्यर्पण

(3) नद्यम्बु (4) देव्यर्थ

(1) अधि+ एता

(2) नदी + अर्पण

(3) नदी + अम्बू

(4) देवी + अर्थ

63.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए – (2 अंक, 15 शब्द)

(1) आविः + कार = (2) नि + स्थुर =

(3) भू + उपरि = (4) राका + ईश =

ENGINEERS ACADEMY

(1) आविष्कार

(2) निष्ठुर

(3) भूपरि

(4) राकेश

64.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) पुरः + धा = (2) मनः + रोग =

(3) दुः + तर = (4) विः + तार =

(1) पुरोधा

(2) मनोरोग

(3) दुस्तर

(4) विस्तार

65.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) परि + सद् = (2) सु + सुप्त =

(3) तपः + बल = (4) अधः + गामी =

(1) परिषद्

(2) सुषुप्त

(3) तपोबल

(4) अधोगामी

66.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) प्रति + स्था = (2) सृष् + ति =

(3) नै + स्थिक = (4) प्र + मान =

(1) प्रतिष्ठा

(2) सृष्टि

(3) नैष्ठिक

(4) प्रमाण

67.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अहम् + कार = (2) दीपम् + कर =

(3) सम् + लाप = (4) सम् + स्थान =

(1) अहंकार

(2) दीपंकर

(3) संलाप

(4) संस्थान

68.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उद् + तीर्ण = (2) उद् + ताल =

(3) उद् + फुल्ल = (4) किम् + नर =

(1) उत्तीर्ण

(2) उत्ताल

(3) उत्फुल्ल

(4) किन्नर

69.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उत् + हव = (2) उत् + हत =

(3) उत् + शिष्ट = (4) जगत् + शांति =

(1) उद्धव / उद्धव

(2) उद्धत / उद्धत

(3) उच्छिष्ट

(4) जगच्छांति

70.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) तत् + मय = (2) उत् + मान =

(3) मृट् + मय = (4) षट् + मातुर =

(1) तन्मय

(2) उन्मान

(3) मृण्मय

(4) षण्मातुर

71.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) जगत् + आनंद = (2) तडित् + ज्योति =

(3) उत् + नयन = (4) तत् + लीन =

(1) जगदानंद

(2) तडिज्ज्योति

(3) उन्नयन

(4) तल्लीन

72.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) स्रौ + अ = (2) वाक् + विलास =

(3) षट् + अंग = (4) षट् + राग =

ENGINEERS ACADEMY

(1) स्त्राव

(2) वाग्विलास

(3) षडंग

(4) षड्रांग

73.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) गुरु + आदेश = (2) मातृ + उपदेश =

(3) साधु + आचरण = (4) गो + एषणा =

(1) गुर्वादेश

(2) मात्रुपदेश

(3) साध्वाचरण

(4) गवेषणा

74.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) मिलन + औचित्य = (2) प्रति + अभिज्ञ =

(3) अग्नि + आशय = (4) वाणी + औचित्य =

(1) मिलनौचित्य

(2) प्रत्यभिज्ञ

(3) अग्न्याशय

(4) वाण्यौचित्य

75.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) जीर्ण + उद्धार = (2) हेमन्त + ऋतु =

(3) प्रिय + एषी = (4) नव + ऐश्वर्य =

(1) जीर्णोद्धार

(2) हेमन्तर्तु

(3) प्रियैषी

(4) नवैश्वर्य

76.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) मृग + इन्द्र = (2) मानव + इतर =

(3) मन्द + उदरी = (4) यथा + उचित =

(1) मृगेन्द्र

(2) मानवेतर

(3) मन्दोदरी

(4) यथोचित

77.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) चमू + उमंग = (2) स्वसृ + ऋण =

(3) होतृ + ऋकार = (4) भानु + उदय =

(1) चमूमंग

(2) स्वसृण/स्वसृण

(3) होतृकार/होतृकार

(4) भानूदय

78.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) पूर्ण + आहुति = (2) जिह्वा + अग्र =

(3) कृपा + अर्थ = (4) महती + इच्छा =

(1) पूर्णाहुति

(2) जिह्वाग्र

(3) कृपार्थ

(4) महतीच्छा

79.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) अह्न + निशा = (2) अह्न + रात्रि =

(3) वाक् + हरि = (4) धनुः + टंकार =

(1) अहर्निश

(2) अहोरात्र

(3) वाग्घरि

(4) धनुष्टंकार

80.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वि: + तार = (2) धनुः + टंकार =

(3) नि: + रोग = (4) नि: + रव =

(1) विस्तार

(2) धनुष्टंकार

(3) नीरोग

(4) नीरव

81.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) दुः + चरित्र = (2) नि: + कपट =

(3) नि: + कंटक = (4) नि: + प्रभ =

(1) दुश्चरित

ENGINEERS ACADEMY

(2) निष्कपट

(3) निष्कंटक

(4) निष्प्रभ

82.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) दुः + स्वप्न = (2) निः + चल =

(3) निः + चिंत = (4) निः + दल =

(1) दुस्स्वप्न

(2) निश्चल

(3) निश्चिंत

(4) निश्छल

83.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए - (2 अंक, 15 शब्द)

(1) दुः + लभ = (2) यशः + शरीर =

(3) निः + सन्देह = (4) दुः + शासन =

(1) दुर्लभ

(2) यशश्शरीर

(3) निस्सन्देह

(4) दुश्शासन

84.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उरः + ज = (2) निः + गुण =

(3) निः + अपराध = (4) दुः + बोध =

(1) उरोज

(2) निर्गुण

(3) निरपराध

(4) दुर्बोध

85.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वरिष् + ठ = (2) पृष +ठ=

(3) मनः + बल = (4) यशः + दा =

(1) वरिष्ठ

(2) पृष्ठ

(3) मनोबल

(4) यशोदा

86.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) नि + स्नात = (2) सम् + कृत =

(3) युधि + स्थिर = (4) अधि + स्थाता =

(1) निष्णात

(2) संस्कृत

(3) युधिष्ठिर

(4) अधिष्ठाता

87.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) तद् + पर = (2) उद् + तेजना =

(3) सम् + योग = (4) परि + कृत =

(1) तत्पर

(2) उत्तेजना

(3) संयोग

(4) परिष्कृत

88.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) भयम् + कर = (2) सम् + सार =

(3) उद् + कल = (4) उद् + सव =

(1) भयङ्कर / भयंकर

(2) संसार

(3) उत्कल

(4) उत्सव

89.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) सु + स्मिता = (2) वि + सम =

(3) सम् + ख्या = (4) सेम् + टर =

(1) सुष्मिता

(2) विषम

(3) सङ्ख्या / संख्या

(4) सेंटर

90.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) परि + छेद = (2) तरु + छाया =

(3) प्रति + छवि = (4) नि + सेध =

(1) परिच्छेद

(2) तरुच्छाया

(3) प्रतिच्छवि

(4) निषेध

ENGINEERS ACADEMY

९१.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उत् + श्रृंखल = (2) उत् + श्वसन =

(3) सत् + शास्त्र = (4) अनु + छेद =

(1) उच्छृंखल

(2) उच्छ्वसन

(3) सच्छास्त्र

(4) अनुच्छेद

९२.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) उत् + चाटन = (2) उत् + चारण =

(3) उत् + हार = (4) तत् + हित =

(1) उच्चाटन

(2) उच्चारण

(3) उद्धार

(4) तद्धित

९३.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) सत् + जन = (2) उत् + नति =

(3) उत् + डयन = (4) तत् + टीका =

(1) सज्जन

(2) उन्नति

(3) उड्डयन

(4) तट्टीका

९४.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) षट् + मुख = (2) षट् + मास =

(3) जगत् + नाथ = (4) उत् + लेख =

(1) षण्मुख

(2) षण्मास

(3) जगन्नाथ

(4) उल्लेख

९5.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वाक् + मुख = (2) दिक् + नाथ =

(3) उत् + मूलन = (4) अप् + मय =

(1) वाङ्मुख

(2) दिङ्नाथ

(3) उन्मूलन

(4) अम्मय

९6.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) तत् + अनुसार = (2) सत् + उपदेश =

(3) अप् + ज = (4) पंच् + आब =

(1) तदनुसार

(2) सदुपदेश

(3) अब्ज

(4) पंजाब

९7.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) दिक् + अम्बर = (2) वाक् + ईश =

(3) अच् + अन्त = (4) षट् + यंत्र =

(1) दिगम्बर

(2) वागीश

(3) अजन्त

(4) षड्यंत्र

९8.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) वटो + ऋक्ष = (2) विनै + अक =

(3) शै + अक = (4) सै + अक =

(1) वटवृक्ष

(2) विनायक

(3) शावक

(4) सायक

९९.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) नै + अक = (2) सहै + अक =

(3) पो + अन = (4) पौ + अक =

(1) नायक

(2) सहायक

(3) पवन

(4) पावक

100.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) लृ + आकृति = (2) हित + एषी =
(3) ने + अन = (4) जे + अन्ति =
(1) लाकृति
(2) हितैषी
(3) नयन
(4) जयन्ति

101.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) पितृ + अनुमति = (2) मातृ + आज्ञा =
(3) मनु + अन्तर = (4) सु + आगत =
(1) पित्रनुमति
(2) मात्राज्ञा
(3) मन्वन्तर
(4) स्वागत

102.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) सुधी + उपास्य = (2) स्त्री + उपयोगी =
(3) परि + आवरण = (4) नदी + अर्पण =
(1) सुध्युपास्य
(2) स्त्र्युपयोगी
(3) पर्यावरण
(4) नद्यर्पण

103.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) जल + ओध = (2) महा + ओजस्वी =
(3) मृदा + औषधि = (4) अधि + ऊढा =
(1) जलौध
(2) महौजस्वी
(3) मृदौषधि
(4) अध्यूढ़ा

104.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) मम + लृकार = (2) तथा + एव =
(3) स्व + ऐच्छिक = (4) गंगा + ऐश्वर्य =
(1) ममल्कार
(2) तथैव
(3) स्वैच्छिक
(4) गंगैश्वर्य

105.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) महा + ऊर्जा = (2) राजा + ऋषि =
(3) वर्षा + ऋतु = (4) अधम + ऋण =
(1) महोर्जा
(2) राजर्षि
(3) वर्षर्तु
(4) अधमर्ण

106.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) प्र + उन्नत = (2) सरिता + उर्मि =
(3) आत्मा + उत्सर्ग = (4) प्र + ऊढ़ =
(1) प्रोन्नत
(2) सरितोर्मि
(3) आत्मोत्सर्ग
(4) प्रौढ़

107.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) सुधा + इन्दु = (2) राका+ ईश =
(3) राघव + इन्द्र = (4) यथा + इष्ट =
(1) सुधेन्दु
(2) राकेश
(3) राघवेन्द्र
(4) यथेष्ट

108.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) पितृ + ऋद्धि = (2) मातृ + ऋण =
(3) नर + इन्द्र = (4) सर्व + ईश =
(1) पितृद्धि
(2) मातृण
(3) नरेन्द्र
(4) सर्वेश

109.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)
(1) साधु + उपदेश = (2) वधू+ उल्लास =

(3) धातु + ऊष्मा = (4) भू + ऊर्जा =

(1) साधूपदेश

(2) वधूल्लास

(3) धातूष्मा

(4) भूर्जा

110.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) कवि + इन्द्र = (2) वारि + ईश =

(3) मही + ईश = (4) रजनी + ईश =

(1) कवीन्द्र

(2) वारीश

(3) महीश

(4) रजनीश

111.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) स्वेच्छा + आचार = (2) अभि + इष्ट =

(3) अति + इत = (4) नदी + इन्द्र =

(1) स्वेच्छाचार

(2) अभीष्ट

(3) अतीत

(4) नदीन्द्र

112.निम्नलिखितशब्दों की संधिकीजिए- (2 अंक, 15 शब्द)

(1) रुद्र + अक्ष = (2) वीर + अंगना =

(3) दीक्षा + अंत = (4) प्रेरणा + आस्पद =

(1) रुद्राक्ष

(2) वीरांगना

(3) दीक्षांत

(4) प्रेरणास्पद

113. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए- (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2021)

(i) देवी + अवतरण = (ii) क्षीर + ओन =

(iii) नि + स्नात = (iv) दिक् + गज =

(i) देवी + अवतरण = देव्यवतरण

(ii) क्षीर + ओन = क्षीरौदन

(iii) नि + स्नात = निष्णात

(iv) दिक् + गज = दिग्गज

114. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2021)

(i) विक्रमाब्द = (ii) हृषीकेश =

(iii) प्रमाण = (iv) कोणार्क =

(i) विक्रमाब्द = विक्रम + अब्द

(ii) हृषीकेश = हृषीक + ईश

(iii) प्रमाण = प्र + मान

(iv) कोणार्क = कोण + अर्क

115. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए। (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2021)

(i) तत् + मय = (ii) मातृ + आज्ञा =

(iii) प्रति + छाया = (iv) शरत् + ज्योत्स्ना =

(i) तत् + मय = तन्मय

(ii) मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा

(iii) प्रति + छाया = प्रतिच्छाया

(iv) शरत् + ज्योत्स्ना = शरज्योत्स्ना

116. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2018)

(i) वर्षा + ऋतु = (ii) उत् + श्वास =

(iii) प्रति + स्थित = (iv) गै + अन =

(i) वर्षा + ऋतु = वर्षर्तु

(ii) उत् + श्वास = उच्छ्वास

(iii) प्रति + स्थित = प्रतिष्ठित

(iv) गै + अन = गायन

117. इन शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2018)

(i) तद्रूप = (ii) चतुष्पथ =

(iii) मध्वरि= (iv) ममेतर =

(i) तद्रूप = तत् + रूप

(ii) चतुष्पथ = चतुः + पथ

(iii) मध्वरि= मधु + अरि

(iv) ममेतर = मम + इतर

118. निम्नांकित की संधि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2018)

(i) देवी + ऐश्वर्य = (ii) मातृ + आज्ञा =

(iii) निर् + रव =   (iv) मृद् + मय =

(i) देवी + ऐश्वर्य = देव्यैश्वर्य

(ii) मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा

(iii) निर् + रव = नीरव

(iv) मृद् + मय = मृण्मय

119. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2016)

(i) चित् + मय =   (ii) गति + अवरोध =

(iii) प्र + आंगन =   (iv) सुधा + अंशु =

(i) चित् + मय = चिन्मय

(ii) गति + अवरोध = गत्यवरोध

(iii) प्र + आंगन = प्रांगण

(iv) सुधा + अंशु = सुधांशु

120. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2016)

(i) भू + ऊर्ध्व =   (ii) अनु + छेद =

(iii) अति + उत्तम = (iv) सह + उदर =

(i) भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

(ii) अनु + छेद = अनुच्छेद

(iii) अति + उत्तम = अत्युत्तम

(iv) सह + उदर = सहोदय

121. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2016)

(i) रामायण =   (ii) सहोदर =

(iii) लोकेतर =   (iv) शूर्पणखा =

(i) रामायण = राम + अयन

(ii) सहोदर = सह + उदर

(iii) लोकेतर = लोक + इतर

(iv) शूर्पणखा = शूर्प + नखा

122. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए। (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains Spe. 2016)

(i) प्रति + स्थान =   (ii) कुश + आसन =

(iii) वाक् + मय =   (iv) नदी + अर्पण =

(i) प्रति + स्थान = प्रतिष्ठान

(ii) कुश + आसन = कुशासन

(iii) वाक् + मय = वाङ्मय

(iv) नदी + अर्पण = नद्यर्पण

123. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए। (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains Spe. 2016)

(i) प्र + उन्नति =   (ii) पो + अन =

(iii) नि + ऊन =   (iv) वि + अग्र =

(i) प्र + उन्नति = प्रोन्नति

(ii) पो + अन = पवन

(iii) नि + ऊन = न्यून

(iv) वि + अग्र = व्यग्र

124. निम्नांकित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए। (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains Spe. 2016)

(i) मुखारविंद =   (ii) दैत्यारि =

(iii) सन्मति =   (iv) पर्यंत =

(i) मुखारविंद = मुख + अरविंद

(ii) दैत्यारि = दैत्य + अरि

(iii) सन्मति = सत् + मति

(iv) पर्यंत = परि + अंत

125. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए:(2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2013)

(i) सार्धशती =   (ii) निष्ठुर =

(iii) स्वच्छ =   (iv) निरापद् =

(i) सार्धशती = स + अर्धशती

(ii) निष्ठुर = निः + ठुर

(iii) स्वच्छ = सु + अच्छ

(iv) निरापद् = निर् + आपद (निः+ आपद)

126. (क) निम्नलिखित शब्दों में सन्धि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2012)

(i) गज + इन्द्र =   (ii) पुनः + उक्ति =

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि विच्छेद कीजिये:

(i) निष्कासन =   (ii) सदाचार =

(क)(i) गज + इन्द्र = गजेन्द्र

(ii) पुनः + उक्ति = पुनरुक्ति

(ख) (i) निष्कासन = निः + कासन

(ii) सदाचार = सत् + आचार

127. (क) निम्नलिखित शब्दों की सन्धि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2010)

(i) महा + ऐश्वर्य = (ii) धनुः + टंकार =

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिये:

(i) देव्यालय = (ii) सरोज =

(क) (i) महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

(ii) धनुः + टंकार = धनुष्टंकार

(ख) (i) देव्यालय = देवी + आलय

(ii) सरोज = सरः + ज

128. (क) निम्नलिखित शब्दों की सन्धि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2008)

(i) प्रति + एक = (ii) आदि + अन्त =

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिये:

(i) चन्द्रोदय = (ii) दीर्घावधि =

(क) (i) प्रति + एक = प्रत्येक

(ii) आदि + अन्त = आद्यन्त

(ख) (i) चन्द्रोदय = चन्द्र + उदय

(ii) दीर्घावधि = दीर्घ + अवधि

129. (क) निम्नलिखित शब्दों का सन्धि कीजिए- (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2007)

(i) एक + एक = (ii) नि+ ऊन =

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिये:

(i) रामायण = (ii) संयोग =

(क) (i) एक + एक = एकैक

(ii) नि+ ऊन = न्यून

(ख) (i) रामायण = राम + अयन

(ii) संयोग = सम् + योग

130. (क) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिये: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2004)

(i) अधः + गति = (ii) जगत् + ईश =

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि विच्छेद कीजिये:

(i) दुरुपयोग = (ii) अन्वेषण =

(क) (i) अधः + गति = अधोगति

(ii) जगत् + ईश = जगदीश

(ख) (i) दुरुपयोग = दुर् + उपयोग

(ii) अन्वेषण = अनु + एषण

131. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि/सन्धि विच्छेद कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2001)

(i) महा + आशय = (ii) तनु + अंगी =

(iii) तन्मय = (iv) यशोदा =

(i) महा + आशय = महाशय

(ii) तनु + अंगी = तन्वंगी

(iii) तन्मय = तद् + मय

(iv) यशोदा = यशः + दा

132. संधि कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2023)

(i) समुद्र + ऊर्मि = (ii) परि + छेद =

(i) समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि

(ii) परि + छेद = परिच्छेद

133. संधि-विच्छेद कीजिए:(2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2023)

(i) कुशासन = (ii) अन्वेषण =

(i) कुशासन = कुश + आसन

(ii) अन्वेषण = अनु + एषण

134. संधि-विच्छेद कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द) (RAS Mains 2023)

(i) महौदार्य = (ii) वागीश =

(i) महौदार्य = महा + औदार्य

(ii) वागीश = वाक् + ईश

135. संधिकीजिए: (2 अंक 15 शब्द) (RAS Mains 2024)

(i) पितृ + उपदेश = (ii) सत् + शास्त्र =

(i) पितृ + उपदेश = पित्रोपदेश

(ii) सत् + शास्त्र = सद्शास्त्र

136. संधि-विच्छेदकीजिए: (2 अंक 15 शब्द) (RAS Mains 2024)

(i) कुशाग्र = (ii) विद्युल्लता =

(i) कुशाग्र = कुश + अग्र

(ii) विद्युल्लता = विद्युत् + लता

2 समास

- **परिभाषा** - दो या दो से अधिक शब्दों को संक्षिप्तीकरण करने की प्रक्रिया समास कहलाती है।

अथवा

- दो या दो से अधिक पदो को छोटा बनाकर "सामासिक पद निर्माण" की प्रक्रिया समास कहलाती है।

विग्रह:- शाब्दिक अर्थ – तोड़ना / अलग करना

- समास पद में शामिल पदों को उनके अंगो से अलग करके लिखना विग्रह कहलाता है।
- विग्रह के लिए सामासिक पद के दो भाग किये जाते हैं।

जैसे-

राज	+	पुत्र	=	राजपुत्र	=	राजा का पुत्र
पूर्वपद		उत्तर पद		सामासिक पद		समास विग्रह

- समास के मुख्यत: 6 भेद होते हैं।
- पद की प्रधानता के आधार पर समास 4 प्रकार के होते हैं।

1. अव्ययी भाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द्व समास
6. बहुब्रीहि समास

1. अव्ययीभाव समास

नियम 1. -इस समास का प्रथम पद अव्यय होता है, कभी-कभी दूसरा पद भी अव्यय हो सकता है तथा पूरा पद भी अव्यय हो सकता है।

नियम 2. -दोनो संख्या समान होने पर अथवा एक शब्द की पुनरावृत्ति होने पर अव्ययीभाव समास होता है।

जैसे-

- ☞ साफ-साफ -बिल्कुलसाफ / साफकेबादसाफ
- ☞ रातों-रात -रातहीरातमें
- ☞ सालों-साल -सालकेबादसाल
- ☞ हाथों-हाथ -हाथहीहाथमें
- ☞ एक - एक -एकहीएक
- ☞ बीचों-बीच -ठीकबीचमें
- ☞ भागमभाग -भागनेकेबादभागना
- ☞ मारामारी -मारनेकेबादमारना
- ☞ दिनोंदिन –दिनकेबाददिन2
- ☞ मंद-मंद -मंदकेबादमंद
- ☞ घर-घर -घरकेबादघर

नियम 3. -जिस सामासिक पद का पहला शब्द " यथा" अव्यय हो उसका विग्रह करते समय "यथा" शब्द हटाकर उस शब्द के पहले "जितना । जितनी । जैसे" शब्द जोड़ते है। अथवा"के अनुसार" जोड़ते है।

जैसे -

- ☞ यथाशक्ति -शक्तिकेअनुसार
- ☞ यथायोग्य -जोजितनायोग्यहै
- ☞ यथागति -गतिकेअनुसार
- ☞ यथोचित -जैसाउचितहै
- ☞ यथासाध्य -जितनासाधाजासके
- ☞ यथासंभव -जैसासंभवहै
- ☞ यथानुरूप -उसीकेअनुरूप
- ☞ यथाक्रम -जैसाक्रमहै

नियम 4. -हिन्दी के कुछ उपसर्ग-प्रत्यय जुड़ने पर या अव्यय जुड़ने पर अव्ययीभाव समास का निर्माण होता है।

जैसे-

- ☞ भर -पेटभर / भरपेट, रातभर
- ☞ पार -गंगापार, यमुनापार
- ☞ अर्थ -धर्मार्थ, सेवार्थ
- ☞ पूर्वक -सावधानीपूर्वक, ध्यानपूर्वक, प्रयत्नपूर्वक, विश्वासपूर्वक
- ☞ अनुसार -निर्देशानुसार, अवसरानुसार, इच्छानुसार
- ☞ अनुकूल -अवसरानुकूल
- ☞ उपरान्त -मरणोपरान्त, विवाहोपरान्त
- ☞ पर्यन्त -जीवनपर्यन्त, विवाहपर्यन्त

नियम 5. -यदि सामासिक पद का का पहला पद "प्रति, आ, हो तो क्रमानुसार विग्रह करते समय प्रति उपसर्ग हटाकर "हर" शब्द तथा "आ" शब्द हटाकर अंत में "तक" शब्द लगा देते है।

जैसे-

- ☞ प्रत्येक -हरएक
- ☞ प्रतिमाह -हरमाह
- ☞ प्रतिदिन -हरदिन
- ☞ प्रतिशत -हरशत
- ☞ प्रतिवर्ष -हरवर्ष
- ☞ प्रतिक्षण -हरक्षण
- ☞ प्रत्यंग -हरअंग

अन्य उदाहरण -

- ☞ प्रतिबिम्ब -बिंबकाबिंब
- ☞ प्रत्युत्तर -उत्तरकाउत्तर
- ☞ प्रत्यक्ष -अक्षिकेसामने
- ☞ प्रतिकार -कार (कार्य) केबदलेकार
- ☞ प्रत्यारोप -आरोपकेबदलेआरोप
- ☞ प्रतिक्रिया -क्रियासेप्रेरितक्रिया
- ☞ प्रत्याघात -आघातकेबदलेआघात
- ☞ आमरण -मरणतक
- ☞ आजन्म -जन्मतक
- ☞ आजीवन -जीवनतक / भर
- ☞ आकंठ -कंठतक
- ☞ आजानुबाहु -घुटनोंसेबाहूतक
- ☞ आमूलचूल -मूलसेलेकरचूल (जड़) तक

नियम 6. -बे, नि, निर्, निस, यावत्, वि, उपसर्ग आये तो

जैसे -

- ☞ निर्विवाद -बिनाविवादके
- ☞ नीरोग -बिनारोगके
- ☞ नीरव -बिनारव (ध्वनि) के
- ☞ निर्विकार -बिनाविकारके
- ☞ निडर -बिनाडरके
- ☞ बेवजह -बिनावजहके
- ☞ बेधड़क -बिनाधड़कके
- ☞ बेदाग -बिनादागके
- ☞ बेचैन -बिनाचैनके
- ☞ विज्ञान -विशेषज्ञान
- ☞ विमाता -दूसरीमाता
- ☞ विलोम -लोमकेविपरीत
- ☞ विपक्ष -दूसरापक्ष
- ☞ वियोग -योगरहित
- ☞ निर्जन -बिनाजनके
- ☞ निश्चिंत -बिनाचिंताके
- ☞ निस्संतान -बिनासंतानके
- ☞ निस्संकोच -बिनासंकोचके
- ☞ निस्वार्थ -बिनास्वार्थके
- ☞ निरामिष -बिनाआमिष (माँस) के
- ☞ निगोड़ा -बिनागोड़ (पैर) के
- ☞ यावज्जीवन -जीवनपर्यन्त
- ☞ यावन्मृत्यु -मृत्युतक
- ☞ लावारिस -बिनावारिसके
- ☞ बेघर -बिनाघरके

अन्य उदाहरण-

- ☞ दरअसल -असलमें
- ☞ अनुदान -दानकीतरहकादान
- ☞ निकम्मा -कामनकरनेवाला
- ☞ पंचगंगा -पाँचगंगा
- ☞ भरसक -भर कर
- ☞ नियंत्रण -ठीकतरहसेयंत्रण
- ☞ अतिवृष्टि -वृष्टिकीअति
- ☞ सकुशल - कुशलताकेसाथ
- ☞ लाजवाब -बिनाजवाबके

2. तत्पुरुष समास

- इस समास में उत्तर पद / अंतिम पद / दूसरा पद प्रधान होता है क्योंकि बाद वाले पद के लिंग और वचन के आधार पर वाक्य चलता है।
- जिस समास में कर्त्ता कारक व सम्बोधन कारक को छोड़ कर अन्य सभी कारकोंके चिह्न लुप्त हो जाते है तथा समास विग्रह करते समय उन चिह्नो को पुनः लिख दिया जाता है, तत्पुरुष समास कहलाता है।
- तत्पुरुष समास के भेद -

(1)लुप्त कारक चिन्ह तत्पुरुष समास

(2)लुप्त पद तत्पुरुष समास

(3)अलुक् तत्पुरुष समास

(4)उपपद तत्पुरुष समास

(5)नञ् तत्पुरुष समास

लुप्त कारक चिह्न तत्पुरुष समास :-

- इस समास में कारक चिह्नों का लोप हो जाता है। कारक चिह्नो के आधार पर 6 प्रकार के होते है-

  (i) कर्म तत्पुरुष - को

  (ii) करण तत्पुरुष – से, द्वारा (जोड़ने के लिए)

  (iii) संप्रदान तत्पुरुष - के लिए

  (iv) अपादान तत्पुरुष - से (अलग होने का भाव)

  (v) संबंध तत्पुरुष - का, की, के

  (vi) अधिकरण तत्पुरुष - में, पर

(i)कर्म तत्पुरुष :-को' का लोप

- ☞ शरणागत - शरण को आगत
- ☞ चिड़ीमार -चिड़ीको मारने वाला
- ☞ जेबकतरा - जेब को कतरने वाला
- ☞ स्वर्गप्राप्त - स्वर्ग को प्राप्त
- ☞ प्राप्तोदक - उदक (जल) को प्राप्त
- ☞ जातिगत - जाति को गत
- ☞ दिलतोड़ - दिल को तोड़ने वाला
- ☞ मुँहतोड़ - मुँह को तोड़ने वाला
- ☞ कनकटा - जिसका कान कटा हुआ है
- ☞ वनगमन - वन को गमन
- ☞ हस्तगत - हस्त को गत
- ☞ सुखप्राप्त - सुख को प्राप्त
- ☞ आपत्तिजनक - आपत्ति को जन्म देने वाला
- ☞ गिरहकट - गिरह (गांठ) को काटने वाला
- ☞ यशप्राप्त - यश को प्राप्त
- ☞ गृहागत - गृह को आगत
- ☞ कालातीत - काल को अतीत

(ii)करण तत्पुरुष :- "से", " के द्वारा का लोप

- ☞ जन्मांध - जन्म से अन्धा
- ☞ रेलयात्रा- रेल द्वारा यात्रा
- ☞ तुलसीकृत- तुलसी द्वारा कृत (रचित)
- ☞ दोषपूर्ण - दोष से पूर्ण
- ☞ हस्तलिखित - हाथ से लिखित
- ☞ रत्नजड़ित - रत्नो से जड़ित
- ☞ रेखांकित - रेखा से अंकित
- ☞ प्रेमातुर - प्रेम से आतुर
- ☞ गुरुप्रदत्त - गुरु द्वारा प्रदत्त
- ☞ धर्मयुक्त - धर्म से युक्त
- ☞ वचनबद्ध - वचन से बद्ध
- ☞ श्रमजीवी - श्रम से जीवित रहने वाला
- ☞ हिमाच्छादित - हिम से आच्छादित
- ☞ गुणयुक्त - गुण से युक्त
- ☞ तर्कसिद्ध - तर्क द्वारा सिद्ध
- ☞ मोहांध - मोह से अन्धा
- ☞ शोकाकुल - शोक से आकुल
- ☞ मनमाना - मन से माना हुआ
- ☞ तारोंभरी - तारों से भरी

(iii)सम्प्रदान तत्पुरुष :-केलिए" कालोप

- ☞ सत्याग्रह - सत्य के लिए आग्रह
- ☞ विद्यालय - विद्या के लिए आलय
- ☞ हथकड़ी - हाथ के लिए कड़ी
- ☞ मालगोदाम - माल के लिए गोदाम
- ☞ रणक्षेत्र - रण के लिए क्षेत्र
- ☞ रनिवास - रानियो के लिए आवास
- ☞ धर्मशाला - धर्म के लिए शाला
- ☞ रेलभाड़ा - रेल के लिए भाड़ा
- ☞ रणभूमि - रण के लिए भूमि
- ☞ रंगमच - रंग के लिए मंच
- ☞ देशभक्ति - देश के लिए भक्ति
- ☞ कारावास - कारा (सीमा) के लिए आवास
- ☞ बालामृत - बालकोंके लिए अमृत
- ☞ कर्णफूल - कर्ण के लिए फूल
- ☞ स्नानघर - स्नान के लिए घर
- ☞ यज्ञशाला - यज्ञ के लिए शाला
- ☞ देवालय - देव के लिए आलय
- ☞ रसोईघर - रसोई के लिए घर
- ☞ घरखर्च - घर के लिए खर्च
- ☞ जनहित - जन के लिए हित
- ☞ न्यायालय - न्याय के लिए आलय
- ☞ विधानसभा - विधान के लिए सभा
- ☞ छात्रावास - छात्र / छात्राओं के लिए आवास
- ☞ हवनसामग्री - हवन के लिए सामग्री
- ☞ डाकगाड़ी - डाक के लिए गाड़ी

(iv)अपादान तत्पुरुष :-सै" (पृथक /अलग)कालोप

- ☞ पदयात्रा - पद से यात्रा
- ☞ भयभीत - भय से भीत

ENGINEERS ACADEMY

- ☞ जन्मांध - जन्म से अन्धा
- ☞ कामचोर - काम से जी चुराने वाला
- ☞ पदच्युत - पद से च्युत (हटाना)
- ☞ ऋणमुक्त - ऋण से मुक्त
- ☞ देशनिकाला - देश से निकाला हुआ
- ☞ रोगमुक्त - रोग से मुक्त
- ☞ गुणरहित - गुण से रहित
- ☞ विवाहेतर - विवाह से इतर (अलग)
- ☞ धनहीन - धन से हीन
- ☞ विद्याहीन - विद्या से हीन
- ☞ मार्गभ्रष्ट - मार्ग से भ्रष्ट
- ☞ जन्मोत्तर - जन्म से उत्तर (बाद)
- ☞ लाभरहित- लाभ से रहित
- ☞ आशातीत- आशा से अतीत
- ☞ नेजहीन - नेजो से हीन
- ☞ पथभ्रष्ट - पथ से भ्रष्ट
- ☞ कार्यमुक्त - कार्य से मुक्त
- ☞ लोकभय - लोक से भय

(v)सम्बन्ध तत्पुरुष :-(का, की, के) का लोप

- ☞ देशप्रेम - देश का प्रेम
- ☞ राजकुमार - राज का कुमार
- ☞ अमचूर - आम का चूरन
- ☞ प्रेमसागर - प्रेम का सागर
- ☞ मंत्रिपरिषद - मंत्रियो की परिषद्
- ☞ राष्ट्रपति - राष्ट्र का पति
- ☞ भूकम्प - भूमि का कम्पन
- ☞ रामचरित - राम का चरित
- ☞ रविवार - रवि का वार
- ☞ कठपुतली - काठ की पुतली
- ☞ चर्मरोग - चर्म का रोग
- ☞ नरेश - नरो का ईश
- ☞ मतदान - मत का दान
- ☞ अनारदाना - अनार का दाना
- ☞ जमींदार - जमीन का दार (स्वामी)
- ☞ जलधारा - जल की धारा
- ☞ रक्तदान - रक्त का दान
- ☞ पुष्पांजलि - पुष्पोंकी अंजलि
- ☞ रघुवंश - रघु का वंश
- ☞ देशभक्ति - देश का भक्त
- ☞ नेत्रदान - नेत्र का दान
- ☞ वाग्दान - बाकू का दान
- ☞ भारतरत्न- भारत का रत्न
- ☞ पशुपति - पशुओं का पति
- ☞ गणपति- गणोंका पति
- ☞ घुड़दौड़ - घोड़ो की दौड़
- ☞ विद्यार्थी- विद्या का अर्थी
- ☞ स्वतंत्र – स्व का तंत्र
- ☞ लोकनायक - लोक का नायक
- ☞ गंगाजल- गंगा का जल
- ☞ पशुबलि - पशु की बलि

(vi)अधिकरण तत्पुरुष :-(में, पर) का लोप

- ☞ नरोत्तम - नरो में उत्तम
- ☞ देशवासी - देश में वास करने वाला
- ☞ आपबीती - आप पर बीती
- ☞ पेटदर्द - पेट में दर्द
- ☞ सिरदर्द - सिर में दर्द
- ☞ लोकप्रिय - लोक में प्रिय
- ☞ देशाटन- देश में अटन
- ☞ कविपुंगव - कवियो में श्रेष्ठ
- ☞ घृतान्न - घी में पका हुआ अन्न
- ☞ वनवास- वन में वास
- ☞ कर्मवीर - कर्म में वीर
- ☞ वाकपटु - वाक् में पटू (कुशल)
- ☞ नगरवासी - नगर में वास करने वाला
- ☞ नराधम - नरो में अधम (नीच)
- ☞ मुनिश्रेष्ठ - मुनियों में श्रेष्ठ
- ☞ घुड़सवार - घोड़े पर सवार
- ☞ डिब्बाबंद - डिब्बे में बंद
- ☞ रणवीर - रण में वीर
- ☞ ग्रामवासी - ग्राम में वास करने वाला

लुप्तपद तत्पुरुष समास :-

- इस समास में कारक चिह्नों के साथ ही अन्य पद भी लुप्त हो जाते है।

जैसे-

- ☞ वायुयान - वायु में चलने वाला यान

ENGINEERS ACADEMY

☞ रेलगाड़ी - रेल पर चलने वाली गाड़ी
☞ बैलगाड़ी- बैल से चलने वाली गाड़ी
☞ दहीबड़ा - दही में डूबा हुआ बड़ा
☞ रसगुल्ला - रस में डूबा हुआ गुल्ला
☞ पनडुब्बी- पानी में डूब कर चलने वाला पोत
☞ स्वर्णहार - स्वर्ण से बना हार
☞ पकौड़ी - पकी हुई बड़ी
☞ पर्णकुटी - पर्ण से बनी हुई कुटी
☞ मधुमक्खी - मधु एकत्र करने वाली मक्खी
☞ अश्रुगैस - अश्रु लाने वाली गैस
☞ पवनचक्की - पवन से चलने वाली गाड़ी
☞ ऊँटगाडी - ऊँट से चलने वाली गाड़ी

नञ् तत्पुरुष :-

- जिस समास का प्रथम पद नकारात्मक हो अर्थात् हिन्दी का अ, संस्कृत का अन्, उर्दू का ना उपसर्ग 'नहीं' का अर्थ देते है अतः इनमें निर्मित शब्दों में नञ् तत्पुरुष समास होता है।

जैसे -

☞ नास्तिक - नहीं जो आस्तिक
☞ नाजायज –नहींजो जायज
☞ नालायक - नहीं जो लायक
☞ अनादर - नहीं जो आदर
☞ नगण्य - नहीं जो गण्य
☞ नापसंद - नहीं जो पसंद
☞ अज्ञात - नहीं जो ज्ञात
☞ अधर्म- नहीं जो धर्म
☞ अपवित्र - नहीं जो पवित्र
☞ अनाचार - नहीं जो आचार
☞ अनादि- नहीं जो आदि
☞ अनबन - नहीं जो बन
☞ अकाल - नहीं जो काल
☞ अनजान - न जाना हुआ
☞ अनन्त - नहीं जो अन्त
☞ अविकृत - नहीं जो विकृत
☞ अनाथ - नहीं जो नाथ
☞ अव्यय - नहीं जो अव्यय

3. कर्मधारय समास

- इस समास में एक पद विशेषण या उपमान तथा दूसरा पद विशेष्य या उपमेय होता है।
- इसमें यदि पहला पद उपमान होता है तो विग्रह करते समय "के समान" शब्द जोड़ते है। जबकि पहला पद उपमेय होने पर "रूपी" शब्द जोड़ते है।
- इसमें दोनो पद भी गुणवाचक विशेषण हो सकते है।

जैसे-

☞ नवयुवक - नव (नया) है जो युवक
☞ मंदबुद्धि - मंद है जिसकी बुद्धि
☞ नीलगगन- नीला है जो गगन
☞ पीताम्बर - पीला है जो अम्बर
☞ नीलकमल - नीला है जो कमल
☞ महापुरुष - महान है जो पुरुष
☞ कमलाक्षी- कमल जैसी आंखो वाली
☞ महात्मा - महान है जो आत्मा
☞ कापुरुष - कायर है जो पुरुष
☞ मंदाग्नि - मंद है जो अग्नि
☞ कुपुत्र - कुत्सित है जो पुत्र
☞ सदाचार - सत् है जो आचार
☞ राजर्षि - जो राजा भी है ऋषि भी
☞ नरसिंह - सिंह रूपी नर
☞ चरणारविन्द - अरविन्द रूपी चरण
☞ क्रोधाग्नि - क्रोध रूपी अग्नि
☞ चन्द्रमुखी - चन्द्रमा रूपी मुख
☞ परमाणु - परम है जो अणु
☞ सद्गति - सत् है जो गति
☞ कदाचार - कुत्सित है जो आचार
☞ अल्पायु - अल्प है जो आयु में
☞ अधमरा - आधा है जो मरा
☞ अल्पाहार - अल्प है जो आहार
☞ खुशबू - खुश (अच्छा) है जो बू (गंध)
☞ सज्जन - सत् है जो जन
☞ लालमिर्च - लाल है जो मिर्च
☞ कालीमिर्च - काली है जो मिर्च
☞ नवोढा - नव है जो ऊढ़ा (विवाहिता)
☞ कृष्णसर्प - काला है जो सर्प
☞ भ्रष्टाचार - भ्रष्ट है जो आचार

- ☞ नीलगाय - नीली है जो गाय
- ☞ रक्तलोचन - रक्त (लाल) है जिसके लोचन
- ☞ परमात्मा - परम है जो आत्मा
- ☞ कमलनयन - कमल के समान नयन
- ☞ मृगलोचनी - मृग के समान लोचन वाली
- ☞ चरणामृत - अमृत रूपी चरण
- ☞ देहलता - लता रूपी देह
- ☞ मृगनयनी- मृग के समान नयनो वाली
- ☞ लालसुर्ख - जो लाल है जो सुर्ख (अत्यंत लाल) है
- ☞ देवर्षि - जो देव है जो ऋषि है
- ☞ भवसागर - सागर रूपी भव
- ☞ मीनाक्षी - मीन के समान अक्षि वाली
- ☞ राजीवलोचन- राजीव (कमल) के समान लोचन
- ☞ नवागन्तुक - नव है जो आगन्तुक

५. द्विगु समास

इस समास में प्रथम पद संख्यावाची होता है और पूरा पद किसी समूह का बोध कराता है।

जैसे-

- ☞ पंचतंत्र - पाँच तंत्रो का समूह
- ☞ सप्ताह - सात दिनो का समूह
- ☞ शताब्दी- सौ वर्षों का समूह
- ☞ नवरात्र - नौं रातों का समूह
- ☞ चवन्नी - चार आनो का समूह
- ☞ तिमाही- तीन माह के बाद आने वाली
- ☞ तिरंगा - तीन रंग का
- ☞ सतसई - सात सौ का समाहार
- ☞ चौपड़ - चार फड़ो के समूह
- ☞ त्रिफला - तीन फलों का समूह
- ☞ नवरत्न - नौं रत्नो का समूह
- ☞ त्रिलोक - तीन लोको का समाहार
- ☞ पंचामृत- पाँच अमृतो का समाहार
- ☞ अष्टसिद्धि - अष्ट सिद्धियो का समूह
- ☞ इकलौता - एक ही है जो
- ☞ चौखट - चार खूंटो वाली
- ☞ चतुर्वेदी - चार वेदो को जानने वाला
- ☞ पनसेरी - पाँच सेर का बाट
- ☞ एकांकी - एक अंक का नाटक
- ☞ इकतारा - एक तार का
- ☞ नौलखा - नौ लाख रुपये मूल्य का
- ☞ दुपट्टा - दो पाट वाला
- ☞ दुपहर - दो प्रहर के बाद का समय
- ☞ दुधारू - दो धार वाली
- ☞ दुमट - दो प्रकार की मिट्टी

5. द्वंद्व समास

- जिस समास के दोनों पद प्रधान होते है, द्वन्द्व समास कहलाता है।
- विग्रह करते समय और, तथा, एवं, या, अथवा, आदि, इत्यादि शब्द आते है।
- इस समास में (संख्या + संख्या (असमान)] प्रयुक्त होती हैं परन्तु दोनों अलग- अलग होती हैं।

जैसे-

- ☞ कृष्णार्जुन - कृष्ण और अर्जुन
- ☞ जलवायु - जल और वायु
- ☞ शीतातप - शीत और आतप
- ☞ खरा-खोटा- खरा और खोटा
- ☞ हरिहर - हरि और हर

- द्वन्द्व समास के तीन भेद होते है-
  (i) इतरेतर द्वन्द्व
  (ii) विकल्पक द्वन्द्व
  (iii) समाहार द्वन्द्व

(i) इतरेतर द्वन्द्व :-

- दोनो पद प्रधान
- और, तथा, एवं व योजक से विग्रह

जैसे-

- ☞ छब्बीस - छह और बीस
- ☞ माँ-बाप - माँ और बाप
- ☞ अहर्निश - अहन और निशा
- ☞ सीताराम - सीता और राम
- ☞ दूध-रोटी - दूध और रोटी
- ☞ धनुर्बाण - धनुष और बाण
- ☞ देश-विदेश - देश और विदेश
- ☞ तिरसठ- तीन और साठ
- ☞ पैंतीस - पाँच और तीस
- ☞ लोटा-डोर - लोटा और डोर

ENGINEERS ACADEMY

- ☞ तन-मन-धन - तन और मन और धन
- ☞ दाल-बाटी-चूरमा - दाल और बाटी और चूरमा

(ii) विकल्प द्वन्द्व :-

- इस समास में दोनों पद एक-दूसरे के विपरीतार्थक (विलोम) होते है।
- "या", "अथवा" से विग्रह

जैसे-

- ☞ पाप-पुण्य - पाप या पुण्य
- ☞ गुण-दोष - गुण या दोष
- ☞ आजकल - आज या कल
- ☞ जीवन-मरण - जीवन या मरण
- ☞ लाभ-हानि - लाभ या हानि
- ☞ थोड़ा-बहुत - थोड़ा या बहुत
- ☞ शस्त्रास्त्र- शस्त्र या अस्त्र
- ☞ सुख-दुख - सुख या दुख
- ☞ दस-बारह - दस से बारह तक
- ☞ धर्माधर्म - धर्म या अधर्म
- ☞ उल्टा-सुल्टा - उल्टा या सुल्टा

(iii) समाहार द्वन्द्व :-

- प्रथम पद, द्वितीय पद तथा अन्य शब्दोंका समाहित
- विग्रह करते समय "आदि", "इत्यादि" शब्द जोड़ते हैं।

जैसे-

- ☞ काम-काज -काम, काज आदि
- ☞ चाय-पानी -चाय, पानी आदि
- ☞ घर-वर -घर, वर आदि
- ☞ फल-फूल -फल, फूल आदि
- ☞ रुपया-पैसा -रुपया, पैसा आदि
- ☞ लेखा जोखा -लेखा, जोखा आदि
- ☞ नून-तेल -नून, तेल आदि
- ☞ हाथ-पाँव -हाथ, पाँव आदि
- ☞ दाल-रोटी -दाल, रोटी आदि
- ☞ लीपा-पोती -लीपा, पोती आदि
- ☞ लूट मार -लूट, मार आदि
- ☞ धन-दौलत -धन, दौलत आदि
- ☞ खान-पान -खान, पान आदि
- ☞ मेल-मिलाप -मेल, मिलाप आदि
- ☞ अड़ोस-पड़ोस -पड़ोसआदि
- ☞ चाय-वाय -चायआदि
- ☞ रोटी-वाटी -रोटीआदि
- ☞ ढीला-ढाला -ढ़ीलाआदि
- ☞ दूध-ऊँध -दूधआदि
- ☞ पानी-वानी -पानीआदि
- ☞ अगल-बगल -बगलआदि
- ☞ आस-पास -पासआदि

6. बहुब्रीहि समास

- जिस समास के दोनों पद गौण हो तथा तीसरे पद अर्थात् किसी विशेष अर्थ की ओर संकेत करता हो, वहाँ बहुब्रीहि समास होता है।
- मुहावरों, देवी-देवताओं, योगरुढ़ शब्दो में, नदियोंके नाम में बहुब्रीहि समास होता है।
- इस समास में (संख्या + संज्ञा के अंग) प्रयुक्त होते हैं।

जैसे-

- ☞ आशुतोष -शीघ्रप्रसन्नहोनेवाला
- ☞ अंशुमाली -अंशु (किरणों) कीमालावाला - (सूर्य)
- ☞ युधिष्ठिर -युद्धमेंस्थिररहनेवाला - धर्मराज
- ☞ शाखामृग -शाखाओंपरदौड़नेवालामृग - बंदर
- ☞ दशानन -दशहैआननजिसके - रावण
- ☞ गजानन -गजकाआननहैजिसके - गणेश
- ☞ वाग्देवी -वाक् (वाणी) कीदेवीहैंजो - सरस्वती
- ☞ घनश्याम -वहजोश्यामघनकेसमानहै- कृष्ण
- ☞ मुरलीधर -मुरलीकोधारणकरताहैजो- कृष्ण
- ☞ नीलकंठ -नीलाहैकंठजिसका - शिव
- ☞ कंसारि -कंसकेअरि (शत्रु) हैजो - कृष्ण
- ☞ नाकपति -वहजोनाक (स्वर्ग) कापतिहै-इंद्र
- ☞ रतिकांत -वहजोरतिकाकांत (पति) हैजो - कामदेव
- ☞ मकरध्यज -मकर (मछली) काध्वजहैजो - कामदेव
- ☞ पद्मनाथ -पद्म (कमल) हैनाभिमेंजिसके - विष्णु
- ☞ कपीश -कपि (बंदर) केईशहैंजो - हनुमान
- ☞ श्रीश -श्री (लक्ष्मी) केईशहैंजो - विष्णु
- ☞ मनोज -मनमेंजन्मलेताहैजोवह - कामदेव
- ☞ रमेश -रमा (लक्ष्मी) काईशहैजोवह
- ☞ मृत्युंजय -मृत्युकोजीतलियाहैजिसनेवह
- ☞ बारहसिंगा -बाहरसींगहैजिसकेवह
- ☞ कमलासना -कमलहैआसनजिसकावह
- ☞ नागेश -नागोकाईशहैजोवह

ENGINEERS ACADEMY

महत्त्वपूर्णप्रश्न

1. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) सिर का दर्द –
   (II) राजा का महल –
   (I) सिर का दर्द – सिरदर्द (षष्ठी तत्पुरुष समास)
   (II) राजा का महल – राजमहल (षष्ठी तत्पुरुष समास)

2. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) हाथ से बना –
   (II) सूर्य की किरण –
   (I) हाथ से बना – हस्तनिर्मित (तत्पुरुष समास)
   (II) सूर्य की किरण – सूर्योदय (कर्मधारय समास)

3. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) दूध से बना –
   (II) जल में रहने वाला –
   (I) दूध से बना – दुग्धजन्य (तत्पुरुष समास)
   (II) जल में रहने वाला – जलचर (बहुव्रीहि समास)

4. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) देवों का स्थान –
   (II) बालक का खेल –
   (I) देवों का स्थान – देवालय (षष्ठी तत्पुरुष समास)
   (II) बालक का खेल – बालक्रीड़ा (षष्ठी तत्पुरुष समास)

5. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) राम का राज्य –
   (II) धर्म का मार्ग –
   (I) राम का राज्य – रामराज्य (षष्ठी तत्पुरुष समास)
   (II) धर्म का मार्ग – धर्ममार्ग (षष्ठी तत्पुरुष समास)

6. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) स्वर्ग का लोक –
   (II) हाथ का काम –
   (I) स्वर्ग का लोक – स्वर्गलोक (कर्मधारय समास)
   (II) हाथ का काम – हस्तकला (षष्ठी तत्पुरुष समास)

7. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) चंद्र का प्रकाश –
   (II) नदी का जल –
   (I) चंद्र का प्रकाश – चंद्रप्रभा (षष्ठी तत्पुरुष समास)
   (II) नदी का जल – नदीजल (षष्ठी तत्पुरुष समास)

8. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) पृथ्वी की रानी –
   (II) घर का काम –
   (I) पृथ्वी की रानी – भूमिराज्ञी (कर्मधारय समास)
   (II) घर का काम – गृहकार्य (षष्ठी तत्पुरुष समास)

9. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) अपना जीवन
   (II) मन की शांति –
   (I) अपना जीवन – आत्मजीवन (कर्मधारय समास)
   (II) मन की शांति – मनःशांति (षष्ठी तत्पुरुष समास)

10. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)
   (I) गुरु का आदेश –
   (II) राजा का पुत्र –
   (I) गुरु का आदेश – गुरुआज्ञा (षष्ठी तत्पुरुष समास)
   (II) राजा का पुत्र – राजपुत्र (षष्ठी तत्पुरुष समास)

11. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

ENGINEERS ACADEMY

(I) सत्य का मार्ग -

(II) समय का पालन -

(I) सत्य का मार्ग - सत्यमार्ग (कर्मधारय समास)

(II) समय का पालन - समयपालन (षष्ठी तत्पुरुष समास)

12. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) काला रंग -

(II) शत्रु का नाश -

(I) काला रंग - कालारंग (कर्मधारय समास)

(II) शत्रु का नाश - शत्रुनाश (षष्ठी तत्पुरुष समास)

13. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) मनुष्य का जीवन -

(II) राजा की सभा -

(I) मनुष्य का जीवन - मानवजीवन (कर्मधारय समास)

(II) राजा की सभा - राजसभा (षष्ठी तत्पुरुष समास)

14. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) रात और दिन -

(II) सुख और दुख -

(I) रात और दिन - रात-दिन (द्वंद्व समास)

(II) सुख और दुख - सुख-दुख (द्वंद्व समास)

15. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) राम और लक्ष्मण -

(II) जल और थल -

(I) राम और लक्ष्मण - राम-लक्ष्मण (द्वंद्व समास)

(II) जल और थल - जल-थल (द्वंद्व समास)

16. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) आंख और कान -

(II) जन और गण -

(I) आंख और कान - आंख-कान (द्वंद्व समास)

(II) जन और गण - जन-गण (द्वंद्व समास)

17. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) राजा और रानी -

(II) माता और पुत्र -

(I) राजा और रानी - राजा-रानी (द्वंद्व समास)

(II) माता और पुत्र - माता-पुत्र (द्वंद्व समास)

18. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) पवन और जल -

(II) राजा का घर -

(I) पवन और जल - पवन-जल (द्वंद्व समास)

(II) राजा का घर - राजगृह (षष्ठी तत्पुरुष समास)

19. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) देवता का कार्य -

(II) पुस्तक का ज्ञान -

(I) देवता का कार्य - देवकार्य (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) पुस्तक का ज्ञान - पुस्तकज्ञान (षष्ठी तत्पुरुष समास)

20. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) बाल का मित्र -

(II) युद्ध का क्षेत्र -

(I) बाल का मित्र - बालमित्र (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) युद्ध का क्षेत्र - युद्धक्षेत्र (षष्ठी तत्पुरुष समास)

21. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) दूध का स्वाद -

(II) हाथ का आभूषण -

(I) दूध का स्वाद - दुग्धस्वाद (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) हाथ का आभूषण - हस्ताभूषण (षष्ठी तत्पुरुष समास)

22. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) भूमि का पुत्र -

(II) अन्न से जीवित -

ENGINEERS ACADEMY

(I) भूमि का पुत्र – भूमिपुत्र (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) अन्न से जीवित – अन्नजीवी (तत्पुरुष समास)

23. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) धन से बड़ा –

(II) पाप से रहित –

(I) धन से बड़ा – धनाढ्य (तत्पुरुष समास)

(II) पाप से रहित – निष्पाप (तत्पुरुष समास)

24. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) जल से रहित –

(II) भय से रहित –

(I) जल से रहित – निर्जल (तत्पुरुष समास)

(II) भय से रहित – निर्भय (तत्पुरुष समास)

25. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) धन का लोभी –

(II) नीति का पालन –

(I) धन का लोभी – धनलोभी (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) नीति का पालन – नीतिपालन (षष्ठी तत्पुरुष समास)

26. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) वर्ष का अंत –

(II) हाथ से लिखा –

(I) वर्ष का अंत – वर्षांत (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) हाथ से लिखा – हस्तलिखित (तत्पुरुष समास)

27. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) स्वयं का बल –

(II) देश का प्रेम –

(I) स्वयं का बल – आत्मबल (कर्मधारय समास)

(II) देश का प्रेम – देशप्रेम (षष्ठी तत्पुरुष समास)

28. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) जल का प्रवाह –

(II) भूमि का पुत्र –

(I) जल का प्रवाह – जलप्रवाह (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) भूमि का पुत्र – भूमिपुत्र (षष्ठी तत्पुरुष समास)

29. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) रात्रि का भोजन –

(II) शिक्षा का अधिकार –

(I) रात्रि का भोजन – रात्रिभोजन (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) शिक्षा का अधिकार – शिक्षाधिकार (षष्ठी तत्पुरुष समास)

30. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) वन का राजा –

(II) नील कमल –

(I) वन का राजा – वनराज (कर्मधारय समास)

(II) नील कमल – नीलकमल (कर्मधारय समास)

31. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) गोरा रंग –

(II) मधुर वचन –

(I) गोरा रंग – गौरवर्ण (कर्मधारय समास)

(II) मधुर वचन – मधुरवचन (कर्मधारय समास)

32. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) सुन्दर बालक –

(II) महा पुरुष –

(I) सुन्दर बालक – सुंदरबालक (कर्मधारय समास)

(II) महा पुरुष – महापुरुष (कर्मधारय समास)

33. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) लघु कथा –

(II) दीर्घ वाक्य –

ENGINEERS ACADEMY

(I) लघु कथा - लघुकथा (कर्मधारय समास)

(II) दीर्घ वाक्य - दीर्घवाक्य (कर्मधारय समास)

34. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) नीच विचार -

(II) शुभ दिन -

(I) नीच विचार - नीचविचार (कर्मधारय समास)

(II) शुभ दिन - शुभदिन (कर्मधारय समास)

35. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) मन को जीतने वाला -

(II) पाप से रहित -

(I) मन को जीतने वाला - जितेन्द्रिय (बहुव्रीहि समास)

(II) पाप से रहित - निष्पाप (बहुव्रीहि समास)

36. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) जल में रहने वाला -

(II) भूमि पर चलने वाला -

(I) जल में रहने वाला - जलचर (बहुव्रीहि समास)

(II) भूमि पर चलने वाला - स्थलचर (बहुव्रीहि समास)

37. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) आकाश में उड़ने वाला -

(II) हाथ में रहने वाला -

(I) आकाश में उड़ने वाला - आकाशचर (बहुव्रीहि समास)

(II) हाथ में रहने वाला - हस्तगत (बहुव्रीहि समास)

38. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) दुख से रहित -

(II) पथ पर चलने वाला -

(I) दुख से रहित - निर्दुख (बहुव्रीहि समास)

(II) पथ पर चलने वाला - पथिक (बहुव्रीहि समास)

39. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) धन से युक्त -

(II) ज्ञान से युक्त -

(I) धन से युक्त - धनवान (बहुव्रीहि समास)

(II) ज्ञान से युक्त - ज्ञानी (बहुव्रीहि समास)

40. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) जल और वायु -

(II) गुरु और शिष्य -

(I) जल और वायु - जल-वायु (द्वंद्व समास)

(II) गुरु और शिष्य - गुरु-शिष्य (द्वंद्व समास)

41. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) पितामह और मातामह -

(II) ऊँच-नीच -

(I) पितामह और मातामह - पितामह-मातामह (द्वंद्व समास)

(II) ऊँच-नीच - ऊँच-नीच (द्वंद्व समास)

42. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) बड़ा-छोटा -

(II) दिन-रात -

(I) बड़ा-छोटा - बड़ा-छोटा (द्वंद्व समास)

(II) दिन-रात - दिन-रात (द्वंद्व समास)

43. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) जन्म-मरण -

(II) बालक और बालिका -

(I) जन्म-मरण - जन्म-मरण (द्वंद्व समास)

(II) बालक और बालिका - बालक-बालिका (द्वंद्व समास)

44. निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये:(2 अंक, 15 शब्द)

(I) नारी और पुरुष -

(II) चंद्र और सूर्य -

(I) नारी और पुरुष - नारी-पुरुष (द्वंद्व समास)

(II) चंद्र और सूर्य - चंद्र-सूर्य (द्वंद्व समास)

ENGINEERS ACADEMY

९०. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) देशवासी -

(II) गृहनाथ -

(I) देशवासी - देश में रहने वाला (बहुव्रीहि समास)

(II) गृहनाथ - घर का स्वामी (षष्ठी तत्पुरुष समास)

९१. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) बाल्यावस्था -

(II) मातृभाषा -

(I) बाल्यावस्था - बालक की अवस्था (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) मातृभाषा - माता की भाषा (षष्ठी तत्पुरुष समास)

९२. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) पितृऋण -

(II) मित्रभाव -

(I) पितृऋण - पिता का ऋण (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) मित्रभाव - मित्र का भाव (षष्ठी तत्पुरुष समास)

९३. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) अग्निकुंड -

(II) चंद्रमा -

(I) अग्निकुंड - अग्नि का कुंड (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) चंद्रमा - चंद्र के समान (कर्मधारय समास)

९४. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) वनपथ -

(II) पर्वतराज -

(I) वनपथ - वन का मार्ग (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) पर्वतराज - पर्वतों का राजा (षष्ठी तत्पुरुष समास)

९५. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) धनलोभ -

(II) यथाकाल -

(I) धनलोभ - धन का लोभ (षष्ठी तत्पुरुष समास)

(II) यथाकाल - काल के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

९६. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) यथाशक्ति -

(II) यथासंभव -

(I) यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

(II) यथासंभव - संभव के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

९७. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) यथाशक्ति -

(II) यथाक्रम -

(I) यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

(II) यथाक्रम - क्रम के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

९८. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए: (2 अंक, 15 शब्द)

(I) यथानियम -

(II) यथासमय -

(I) यथानियम - नियम के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

(II) यथासमय - समय के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

९९. (क)निम्नलिखित शब्दों से सामासिक पद बनाइये: (2 अंक 15 शब्द) (AEN Mains 2013)

(i) माता और पिता -

(ii) वन में वास –

(ख) निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कीजिए:

(i) राजकुमार -

(ii) यथाशक्ति -

(क) (i) माता और पिता - माता-पिता (द्वंद्व समास)

(ii) वन में वास – वनवास (तत्पुरुष समास)

(ख) (i) राजकुमार - राजा का कुमार (संबंध तत्पुरुष समास)

(ii) यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

ENGINEERS ACADEMY